

# बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा की मुहिम

## दैनिक भास्कर

देश का विश्वस्तरीय अखबार

पता: 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100

इंफो, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की मुहिम तेज “1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम”

### भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का समीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कर्जौली गुरुग्राम की ओर से किया गया। दाईं से से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें शामिलित थे। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा

अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर सोभावमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर नायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक ले चुके हैं आने वाले माहों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदुपरान्त लवभग दे घंट के अंतराल



में पाठ का समापन ऐसे समुद्र से किया जिसने सबका दिल जीत लिया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की पूरी प्रशंसा की। हनुमान चालीसा के पाठ

उपरान्त मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। मौजूद गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीज, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर डबल्यूए), सतीश आहजा, केंद्रीय

सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अरवनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छत्रवट, सरदार गुरिन्दर साहनी, रविंदर कथूरिया, सतपाल नासा, विलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेंद्र बरेजा,

भीम, किशोरी लाल दुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अघलखा, मियावाली विरादरी के मंत्री और जल दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

नये भारत का अखबार



# गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

**व्यूरो/गुड़गांव मेल**  
गुड़गांव, 24 मई। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दरहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु ब्रह्मालु और भक्तजनों ने जैसे जैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। डाई सी से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें समर्पित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गापकों के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों को बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरान्त लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का



समापन ऐसे समुद्र से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने।

समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कौंधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के

रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5:00 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुरांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बौस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में

186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो

गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष घोवर, दलीप लुधरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल घोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के. अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चूटानी, श्याम घोवर, सुरेंद्र धरेंजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मिर्थावाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पुनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

# गुड़गांव टुडे

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई और मज़बूत

■ 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशरथ इंडेंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रेक्षण छोट है, परंतु ब्रह्मालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नई बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम

में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़बले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायत्री के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 वैश्राख में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरंतु लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : 'मेरी लगो राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने'।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है 'कंधे मूँज जनेऊ साजे' और बताया कि मूँज यानी चाण का यज्ञोपवीत प्रभु



हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डलते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द को व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद

हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार करल शाम लगभग 5:100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन

श्रीमती सुश्रुती देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, इस्ट ऑफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरंत मंदिर की कमेटियों ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटक पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका 'देवता जी' की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रेवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल ग्रेवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कश्यपिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टंडन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटनी, श्याम ग्रेवर, सुंदर थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अथलखा, मियथाली बिरदरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कश्यपिया ने अपनी हाज़िरी भरी।

## 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

गुड़गांव, 24 मई (ब्यूरो): हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक्राबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास



भक्तजनों को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे

सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया।

बोध राज सीकरी ने जहां एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है “काँधे मूँज जनेऊ साजे” और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं।

# हनुमान इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

## 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

● ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोधराज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

**हनुमान इंडिया/ब्यूरो**  
मुद्राग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संशोधन तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा गार्डन, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। पहाड़ि भवन मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु अट्टालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आयस में बैठकर श्रीकृतस का अर्चन किया। साईं सी से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि वे मुहिम कैसे गूढ रूप से रही है क्योंकि पुस्तक और पत्रों बंधे भी इसमें सम्मिलित थे। पहाड़ि भवन शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का वह जवाब मिलती-बतती है, परंतु उसके बादबूद पुराणों के मुकामले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुस्तकालय में समग्र पर पुस्तक अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं की म्वाय गठी पर शोभायजन किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गणेश की म्वायम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संघेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में 84वीं तक हो चुके हैं अपने काले म्वायों की मुहिम विभिन्न स्तरों में हो चुकी है। लक्ष्मण लक्ष्मण दो पढ़े के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे समुद्र से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : मेरी लगी राम से प्रीत पे सुनिश भवा जाने।

समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचन की जिसमें लिखा है कधि मूँच जकेउर सबे और बताया कि मूँच यानी बाण का चालीसवाँ प्रभु हनुमान जहाँ धारण



करते थे जहाँकि प्रायः लोग धारण का चालीसवाँ उल्लेख हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्यान भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे मुनिकर लोगों का मन गहराव हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत स्लोक, सी. म्वायिक में प्रातः भीम लीनों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार को तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट अंडीक कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। लोगों के कुल योग 5540

हुआ। मुहिम के लक्ष्य अभी तक 30 स्तरों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरति मंदिर की कमेटी ने खूब ध्यान से पगढ़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तिओं की परतका पहचानकर अभिनंदन किया। बड़े ध्यान से लोगों की प्रस्ताव विवरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने काले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे अशोकांद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री कालाजी मंदिर, सिखाजी नगर की संघीयिका देवता जी की प्राथमिक म्वाय, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तिओं में मंदिर के संजेश पानव, विनोद, मदन सलीका, सुधाच गोवर, दलीप लुधर (प्रधान,

आर.उबल्लु, सी. म्वाय आरुज, केटीय सलाल धर्म म्वाय के प्रधान एम.के. खूनलर, राम लाल शीकर, अरुवनी कर्मा, एकरार एम.के.अरोड़ा, धर्मेश बजाव, रमेश कामरा, ओ.पी. लखड़ा, सरदार सुरिंदर सहानी, नरिंदर कर्पूरिष, सलवाल म्वाय, जितक पानव, रामश्री टटल, पंडित भीम दव, मिलोक गोसाईं, दुआका कथ मकनू, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश मुठनी, श्याम शीकर, सुरेंद्र शेरज, भीम, किशोरी लाल दुदेज, राजवाल म्वाय, सुधाच अथलरा, विवीकली विरटरी के मंत्री और जब दयाल कुम्भार, अजित कुम्भार, रमेश कुम्भार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संघीयिका पुष्प म्वाय, ज्योत्सना बजाव, रमेश बजाव, ज्योति कर्मा, शक्ति बजाव, पूरम गोसाईं और नूष्पा कर्पूरिषा ने अपनी शर्माई भरी।

आप का साथ हमारा विश्वास

# एनसीआर टाइम्स

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 25/5/23

## 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



**बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई ।**

**ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोधराज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण ।**

गुरुग्राम ( एनसीआर टाइम्स ) गुरुग्राम कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र

गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरान्त लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्मुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने"। समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है "काँधे मूँज जनेऊ साजे" और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरान्त मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका "देवता जी" की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के.खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

## ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राज: बोधराज

-युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई मजबूत  
-अब तक 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया। युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेंद्र गोसाईं ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में चल चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्द में ग्रंथों का राज छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सातेबार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुरेशिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया।

इस अवसर पर मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लुथरा (प्रधान आरडबल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी छाबडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन समेत अनेक लोग मौजूद रहे।



# अमर भारती

संस्करण

एक उम्मीद

## युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोध



राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या

भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी।



राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश ( बुलंदशहर एवं मुरादाबाद ) से एक साथ प्रकाशित

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। छाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6



बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकामले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायत्री के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की

27 बैटक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया 'मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने। समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है 'कौंधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु

हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

# भारत सारथी

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

### भारत सारथी

मुद्रापाय। संगलकार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन की गणेश मंदिर, दशहरा शांति, न्यु बर्लिनोरी मुद्रापाय की ओर से किया गया। पद्यों भव्य मंदिर का प्रयोग छोटा है, परंतु ब्रह्मानु और भक्तजनो ने जैसे कैसे अग्रस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। यदि ही से अधिक लोगों को उपस्थिति चलाती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप से रही है क्योंकि पुष्प और नवें खम्बे भी इसमें सम्मिलित थे। पद्यों समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब मालाई-बदनें प्रायः घर के बाग में खरस होती हैं, परंतु इसके बालनूद पुष्पों के पुष्पावले में बहनों को उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को ज्यारस गद्दी पर सोभावमल किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गणेश की प्राथम्य से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महोत्सव की मुक्ति विधिमान स्वामी में हो चुकी हैं। लंदोप्रांत लक्ष्मण दो घंटे के अंतराल में पाठ का सम्पान ऐसे



सम्पूट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया। मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया बया जाने।

सम्पान में बोध राज सीकरी ने

जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस पीढ़ी की विवेकता की विस्मय सिखा है वहीं युव जनक माने और बताया कि मूँज यानी भाव का

यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान कर्मों धारण करते थे जबकी प्रायः लोग धारो का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम



चरित मयनम, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ सारथिक के प्रथम और अंतिम शब्द को व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिससे सुनकर लोगों का मन शहरा हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कुल शाम लगभग 5:10 हनुमान चालीसा के पाठ की गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके

अतिरिक्त मुद्रांत लोक, सी. बरौक में प्रातः बीस लोगों ने सात घण्टे पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर संगलकार की तरह जयपुर शिव मंदिर, इंदौर और केरल में 30 लोगों ने दस-दस घण्टे पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के लक्ष्य अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरान्त मंदिर की

कमेटी ने शुभ भाष से पगढ़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पदका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रयास विस्तार किया गया। अगस्त हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे अश्लीलंद गार्डन, ज्योतिष पार्क मुद्रापाय में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवजी मंदिर की संयोजिका देवका

जी की प्राथम्य साथ, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में सम्बिधत हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश नानवा, विनोद, मदन मलीका, सुभाष प्रोवर, दलीप लुधरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केटीय सचान्त धर्म संध के प्रधान एस.के.सुलतार, राम लाल प्रोवर, अरुणवी वर्मा, परमेश्वर एस.के.अरीडू, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कुमार, ओ.पी. शाबदा, समेदत सुरिन्दर सहनी, मंदिर कर्तुष्या, सहायता प्राप्त, हितक चानन, रणवीर टाडन, पंडित भीम दत्त, जिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित पृथी लाल शर्मा, रमेश पट्टनी, श्याम प्रोवर, सुरिन्द्र धरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेटा, राजपाल नासा, सुभाष अश्लरज, मिर्चियाली बिशदो के संजी और जय दलान कुमार, अशित कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिमा मंडली की ओर से प्रथम मंदिर की महिमा संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योतिष बजाज, रचन बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पुष्प गोसाईं और कृष्ण कर्तुष्या ने अपनी हार्दिकी भरी।

# बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

## युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

एक लाख 86 हजार 140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की मुहिम ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का छिपा है राज - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोध राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यो धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी



द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उन्होंने गजेंद्र गोसाईं के सहयोग की सराहना की। मंगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी ब्लॉक में प्रातः 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया

जिसका संचालन सुरेश सीकरी द्वारा किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित शिव मंदिर में 30 लोगों ने 10-10 बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने पाण्डू बांधकर बोधराज सीकरी व अन्य सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत

किया। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी। इस मौके पर रजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, आरडब्ल्यूए प्रधान दलीप लूथरा, सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुब्र, राम लाल ग्रोवर, अध्वनी वर्मा, पत्रकार एमके अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी छबड, सरदार गुरिंदर साहनी, नरेंद्र कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टंडन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेंद्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अदलखा, मिर्यावाली विरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार, श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया आदि मौजूद रही।

# रण टाइम्स

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)।

कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कालोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायत्री के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है।



तदोपरांत लगभग दो घंटों के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया - 'मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने'।

समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है - 'काँधे मूँज जनेऊ साजे - और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा

लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ

● 1,86,140 के आंकड़े पर पहुँची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

● ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोधराज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण।

किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेशा सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटक पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका

शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लुथरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीशा आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेशा चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र धरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अश्वरखा, मिर्यावाली विरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

# ओपन सार्च

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

■ 1,86,140 के अंकड़े पर पृथ्वी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

■ ग्रंथों के पढ़ने और अंतिम हावों में उन ग्रंथों का राज छिपा है : बोधराज सीकरी ने टिप्ट ज्ञानन्त उदाहरण

ओपन सार्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

मुद्राणम् । कल मंगलवार 23 र्वां हनुमन् चालीसा के पाठ का समीक्षण लंके में आयोजन श्री गणेश मंदिर, दरभार जॉर्डन, न्यू बंगलौरी मुद्राणम् की ओर से किया गया । यद्यपि धर्म मंदिर का प्राणन होता है, परंतु ब्रह्मन् और भक्तकों ने कैसे किये आराम में बैठकर भक्तिमय का अर्थ लिए । हाई स्पी से अधिक लोगों की उपस्थिति बहाली है कि वे अधिक कैसे एक साथ वे नहीं हैं क्योंकि युवा और बड़े अपने ही इतने व्यंगित्व से । यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब मल्ल-बर्तन प्राण- पर के काम में लगन होती है, परंतु उसके बादतर युवाओं के मुद्राणने में बहनों की उपस्थिति अधिक रही ।

मंदिर के पुस्तकी ने समय पर पूजा अर्चना कर मंडिर गौरवों को समय गुरुदी पर श्रीधरमयन किया और गुरुदी गौरवों ने बड़े समय से गुरुदी मंदिर का गुरुदी के प्रमाण से पहले केपराज सीकरी की प्रतिक्रिया का संशोधन में प्रमाण किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन सप्ताह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं जाने वाले यद्यपि की प्रतिक्रिया विभिन्न स्तरों में हो चुकी है । सर्वप्रथम लगभग दो घंटे के अवकाश में पाठ का सम्मान ऐसे सम्पूर्ण से किया बिना सम्बन्ध दिल पेश किया : " मेरे लगे राम में प्रीति है दुर्गिण का जाने " ।

सम्पूर्ण में बोधराज सीकरी ने कहा कि आज हनुमान चालीसा को उन पीढ़ी की निर्देशन की दिशा में किया है " अभी मैंने जन्म सारने " और बताया कि मैंने अपने बाप का प्रतीकस्त्र प्रयु हनुमान को सम्पूर्ण करने में जबकि प्राण- लेना जाने का प्रतीकस्त्र बहाली है । इसके अतिरिक्त उन्होंने सुनील की आग निशान राम मंदिर बनाने, श्री गौरव की, श्री हनुमन् चालीसा और मुद्र



ग्रंथ मंडिर के प्रथम और अंतिम शब्द को ज्ञातया श्री श्री विद्यार्थी पुरे ग्रंथ के सम्पूर्ण विषय हैं । किसे मुद्रक लेखों का मन गहरा हो गया । अपने सम्बन्धन में बोधराज सीकरी ने गुरुदी गौरवों को मेरा धर्मन की भूरी-भूरी ज्ञातया की ।

इस प्रकार करण समय लगभग 5:10 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए । इसके अतिरिक्त मुद्राण लंके, श्री, अंतिम में प्राण- लेख लेखों में पाठ बार पाठ किया जिसका संयोजन श्रीमती सुनील सीकरी देखली हैं और हर मंगलवार को तब अगस्त मिला मंदिर, ईस्ट और फैलाता में 30 लेखों

ने एस-दर बार पाठ किया । लेखों स्तरों का कुल योग 5540 हुआ । प्रथम के पाठ अभी तक 30 स्तरों में 186140 पाठ हो चुके हैं । हनुमन् चालीसा के पाठ उपलब्ध मंदिर की कमेटी ने युवा धर्म में पृथ्वी बोधराज केपराज सीकरी का प्रमाण किया और आज लगभग व्यक्तियों को पठका पाठकर अभिनन्दन किया । बड़े भाग से लोगों की प्रसन्न प्रतिक्रिया किया गया । अगला हनुमन् चालीसा का पाठ जाने वाले मंगलवार 30 र्वां दोषार कर 3 बजे आशीर्वाद गार्हन, ज्योति पाके मुद्राणन में आयोजित होगा, श्री श्री कालजी मंदिर

विशाली गरा की संघीयका " केला जी " की प्राणन सभा, जिसका प्रतिष्ठित सल्ल गुरुदी में सम्पन्नित हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के जाने की आशा है । लगभग व्यक्तियों में मंदिर के लगेज ज्ञानन्त, निरंकर, चरन सीकरी, सुभाष प्रोरा, सुनील नूयान (अध्यक्ष, आर. डबल्यू. ए), मंडिर आहुत, मंडिर सम्मान धर्म सभा के प्रथम दर. के सुनील, राम लाल प्रोरा, अरविनी वर्मा, परमकर एच. के. अरुंदी, रामेंद्र बजाज, रमेश भादरा, ओ. पी. छावरा, सारदा गुरिन्दर चहानी, मंदिर

कपूरिण, साधल बाबा, निरंकर कानन, लक्ष्मी टट्टर, प्रीति श्रीम दूत, विवेक गौरव, प्राणन गुरु बरकद्वार, प्रीति सुनी लाल गरा, रमेश चूडानी, हनुम प्रोरा, सुनि नरंकर, श्रीम, विवेकी लाल चूडन, गजचल कानन, सुभाष अग्रवाल, निशाने विजयदी के सेके और जरा दलान कुमर, अजित सुनील नूयान (अध्यक्ष, आर. डबल्यू. ए), मंडिर आहुत, मंडिर सम्मान धर्म सभा के प्रथम दर. के सुनील, राम लाल प्रोरा, अरविनी वर्मा, परमकर एच. के. अरुंदी, रामेंद्र बजाज, रमेश भादरा, ओ. पी. छावरा, सारदा गुरिन्दर चहानी, मंदिर

3 महाराष्ट्र हरियाणा देशों की हरियाणा के जन संघों को किंग टू - सहयोग बनाने

6 विचार क्रान्ति संघों में नई 20 वीं बैठक से अद्यतन करने

8 हरियाणा हरियाणा प्रमुखों ने टिका तन्त्रयज्ञ के परिचय को देखा

10 पर्यटन पर्यटन सुखों को बाँटें हैं किंवदंती, जहाँ फुलके बाँटे हैं

12 हरियाणा हर प्रदेश के जल सभान के संकीर्ण संस्कार - अक्षरित बन

राष्ट्रीय दैनिक

जगत क्रान्ति

राज्य (हरियाणा) की प्रकाशित

मूल्य ₹ 7

जुलाई, 25 मई, 2022

श्री पं

143 - 44

जुलाई

हरीयाणा का सार्वजनिक लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: [jagatkrantijind@gmail.com](mailto:jagatkrantijind@gmail.com)

# युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका में हनुमान चालीसा मुहिम

## 1.86 लाख के पार पहुंची बोधराज सीकरी की मुहिम

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के



श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते

हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोधराज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब

के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उन्होंने गजेंद्र गोसाईं के सहयोग की सराहना की। मंगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी ब्लॉक में प्रातः 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया जिसका संचालन सुरेश सीकरी द्वारा किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित शिव मंदिर में 30 लोगों ने 10-10 बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिनमें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी व अन्य सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

# सबसे तेज... सबसे आगे

# हरियाणा की आवाज

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025  
E-mail : haryanakaawaz@gmail.com  
www.haryanakaawaz.in

गिबानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:12 AM



## ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राज: बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया। युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेन्द्र गोसाईं ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम

शब्द में ग्रंथों का राज छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सात बार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान आरडब्ल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा व अन्य उपस्थित थे।

# ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : [www.jyotidarpan.com](http://www.jyotidarpan.com)

## ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

### ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशरथ ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। यहाँ सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब मातार्क-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर तोभाषमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गाथकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं अज्ञे वाले महर्षियों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरंतु लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे समुद्र से किया जिसने सबका दिल जीत लिया - मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने -

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की खिचेचन्त की जिसमें लिखा है - बोधि मुँज जनेऊ साजे - और बताया कि मुँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण



यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने

गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुरुवात लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर

शिवा मंदिर, ईस्ट औफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरंत मंदिर की कमटी ने खुब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य

गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगस्त हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गाईन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका -देवता जी- की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाहित हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हज़ार से अधिक लोगों के आने की आशा है। गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानन, विनोद, मदन सतीश, सुभाष घोष, दलीप लुधरा (ब्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के.खुश्र, राम लाल घोष, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एस.के.अरीड़, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कागर, ओ.पी.छबड़ा, सरदार गुनिन्दर साहनी, नरिंदर कथरिया, सतपाल नास, तिलक चानन, रणधीर टण्डन, पंडित भीम दत्त, जिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मन्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम घोष, सुरेंद्र थरवा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नास, सुभाष अफ़लरजा, मिश्रीवाली विराट्टी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला सड़नी की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्या नास, ज्योतना बजाज, रचन बजाज, ज्योति वर्मा, राशि बजाज, पुष्प गोसाईं और कृष्णा कथरिया ने अपनी हार्जिरी भरी।



# Bharat Sarathi

A Complete News Website

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई .....



**1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम**  
**ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोधराज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण ।**

मंदिर के पुजारी से सजव पर पूजा अर्चना कर गणेश गौसाईं को व्यास गीरी पर स्वीकारवाला किया और गणेश गौसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायत्री के साध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,86,140 पाठ तीन साल की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदीपवात लगभग दो घंटे के अवकाश में पाठ का समापन ऐसे सन्तुष्ट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया: "येही लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने"।

समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विशेषता की जिसमें लिखा है "कोषि भूँज जनेऊ खाने" और बताया कि भूँज खानी वण का यदोपवीत प्रभु हनुमान कधी काटण कटते से जबकि प्रायः लींग धाने का यदोपवीत छानने है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और मुक्त चंच सार्वभ के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे संव के दृश्य छिपे हैं। निम्ने सुनकर लोगों का मन मदनद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गणेश गौसाईं की सेवा भक्ति की भूटी-भूटी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5:00 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुआ इसके अतिरिक्त सुभात लोक, श्री. कर्क में प्रातः बीस लोगों ने श्रावण बार पाठ किया जिसका समापन श्रीमती सुशैल सीकरी देवारी हैं और दृष्ट मंगलवार की दृष्ट ज्ञानपुर शिव मंदिर, ट्रेड और केम्पेस में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 9540 हुआ। मुद्दिल के महत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमिटी ने श्रुत भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणराज्य व्यक्तियों को पटना पहुंचाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क मुठनाम में आयोजित होगा, जहाँ श्री वालरजी मंदिर, छिवाली नगर की सचिविका "देवता जी" की प्राचीन सभा, पिनका खटीर पिछले सप्ताह गौलीक ने सत्कारित हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।



## Bodhraj Sikri – 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



**Viral Sach : Bodhraj Sikri – कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया।**

दाईं सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब मालाएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया। गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायत्री के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया।

बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरान्त लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : 'मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने'।



समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है - 'काँधि मुँज जनेऊ साजे - और बताया कि मुँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं।

इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए।